DX-1601030401020200 Seat No. _____

B. A. (Sem. II) (CBCS) Examination

April – 2022

Hindi (Compulsory)

(आधुनिक हिन्दी काव्य पंचवटी एवम् व्याकरण) (New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
(2) सभी प्रश्नों के सामने अंक दिये गये हैं ।

1 'पंचवटी' एक सफल खंडकाव्य है – इस कथन को सोदाहरण समझाइए । **14**

अथवा

1 'पंचवटी' खंड काव्य की कथावस्तु आप अपने शब्दों में लिखिए । **14**

2 कविश्री मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवम् कृतितत्व पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

2 भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'पंचवटी' खंड काव्य की समीक्षा कीजिए । **14**

अथवा

3 'पंचवटी' खंडकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र–चित्रण कीजिए । **14**

अथवा

3 'पंचवटी' खंडकाव्य के आधार पर शूर्पणखा चरित्रांकन अपने शब्दों में लिखिए ।

4 'पंचवटी' खंडकाव्य के आधार पर मैथिलिशरण गुप्त जी की नारी भावना का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

4 'पंचवटी' खंडकाव्य के आधार पर श्रीराम की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **14**

5 (अ) पल्लवन कीजिए : 7

विपत्ति ही मित्रों की कसौटी है ।

अथवा

स्वावलम्बन की एक झलक पर, न्योछावर कुबेर का कोष ।

(ब) संक्षेपण कीजिए : 7

ईश्वर को न तो मानव के प्रयासों की अपेक्षा है और न वह मानव से अपने अनुग्रहों का प्रतिदान ही चाहता है । वह स्वयम् राजाधिराज है । उसके संकेत मात्र से उसके असंख्य गण पृथ्वी, आकाश और सागर छान डालते हैं । उनके समक्ष क्षुद्र मानव के प्रयत्नों का कोई मूल्य नहीं । जो मनुष्य अपने निर्धारित पथ पर प्रसन्नता पूर्वक चलता रहता है, वहां ईश्वर का सच्चा सेवक है । जिसे ईश्वर में अविचल श्रद्धा है, सांसारिक दृष्टि से कोई काम न करने पर भी उसकी गणना ईश्वर के सेवकों में होती है । उसका जीवन निरर्थक नहीं होता ।

अथवा

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को जीवन से पूर्णतः तैयार करना है । आज की शिक्षा तो पुस्तकीय ख्याल प्रदान करके ही अपने कर्तव्य की इतिश्री समझते हैं । आज की शिक्षा सचमुच अव्यवहारिक है । पुस्तकीय ज्ञान संबंधी बातों के अतिरिक्त वह कुछ नहीं जानता । इसके फलस्वरूप राष्ट्रीयता की अपार क्षति होती है । जब नवयुवक वास्तविक जीवन में प्रविष्ट होता है, तब उसकी दशा एक साधनहीन यात्री जैसी हो जाती है । ऐसी दशा में वह कर्तव्य विमुढ होकर अपने निरर्थक जीवन को कोसता है ।

———————